डा0 सुदर्शन गासो (ऐसोसिएट प्रोफैसर)
अध्यक्ष, पंजाबी विभाग,
जी. एम. एन. कॉलेज,
अम्बाला छावनी।

शिक्षाः

बी.ए. (आनस) पंजाबी, (विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विजेता) ।

एम. ए. (आनर्स) पंजाबी

एम. ए. (हिन्दी)

एम. फिल. (पंजाबी)

पी.एच. डी. (पंजाबी)

कार्य :

ऐसोसिएट प्रोफैसर, अध्यक्ष, पंजाबी विभाग, जी. एम. एन. कॉलेज, अम्बाला छावनी।

फोन : 0171-2640321 द0, 2610566 घर, 09896201036

प्रकाशित पुस्तकेंः

काव्य संग्रहः

1.	हुनर दी महक	पंजाबी
2.	गाउँदे जज्बे	पंजाबी
3.	खुशबुआं दे कंगण	पंजाबी
4.	चावां दे इन्द्रधनुष	पंजाबी
5.	अंबरां दे राही	पंजाबी
6.	बातें करता आकाश	(हिन्दी काव्य संग्रह)
7.	मैंने समुद्र से कहा	(हिन्दी काव्य संग्रह)
8.	शब्दां दे गुलाब	पंजाबी
9.	जी करदै बद्दल बन जावां	पंजाबी
10.	किण्णा सोहणा अंबर लगदै	पंजाबी

आलोचनाः

8.	सभ्याचार अते पंजाबी नाटक	पंजाबी
9.	पंजाबी कविता विश्लेषण ते मूल्यांकण	पंजाबी
10.	परवासी पंजाबी कविता	पंजाबी
	विचारधारक परिपेख	पंजाबी
11.	शिरोमणि सख शियत	पंजाबी

	महेन्द्र सिंह रंधावा	पंजाबी
12.	पंजाबी सभ्याचारः सिद्वांत ते सरोकार	पंजाबी
13.	पंजाबी भाषा स्थिति ते संभावनांवा	पंजाबी
14.	शहीद भगत सिंह	पंजाबी
15.	श्री गुरु नानक देव - वाणी ते विचार	पंजाबी

अनुवाद

14. तपस्या **(**नेश्नल बुक ट्रस्ट, दिल्ली के लिए हिन्दी से पंजाबी में अनुवाद**)**

शोध प्रोजैक्टः यू. जी. सी. द्वारा वर्ष 2009 में **'पंजाबी सभ्याचार दा बहुपख्खी अध्यन'** विषय पर मेजर शोध प्रोजैक्ट दिया गया। इस प्रोजैक्ट को समय पर पूरा करके जमा करवा दिया था, इस प्रोजैक्ट के लिए यू.जी.सी. ने रु. 3,72,000/- प्रदान किए।

विदेश यात्राः नेपाल, पाकिस्तान ।

सामाजिक साहित्यक जिम्मेदारीः

महा-सचिव हरियाणा केन्द्रिय पंजाबी लेखक सभा।

महा-सचिव हरियाणा साहित्य कला मंच।

पूर्व महा-सचिव, हरियाणा कॉलेज टीचर्स यूनियन ।

उप-प्रधान, पंजाबी साहित्य अकादमी, लुधियाना।

पूर्व सदस्य अकादमी काऊंसल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय।

पुरस्कारः

1. हरियाणा प्रांत में पंजाबी भाषा, साहित्य व संस्कृति के विकास के लिए दिए गए योगदान के लिए वर्ष 2015 के लिए हरियाणा सरकार द्वारा भाई संतोख सिंह पुरस्कार दिया गया। जिसमें सवा लाख रुपये नकद, शॉल व प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह दिया जाता है।
2. काव्य संग्रह 'खुशबुआं दे कंगण' को हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी, पंचकूला द्वारा वर्ष 2004 की सर्व-श्रेष्ठ पुस्तक मानकर 10 हजार रुपये का प्रथम पुरस्कार दिया गया।
3. पंजाबी संस्था जालंधर द्वारा वर्ष 2006 में अंतरराश्ट्रीय परियावरण विद संत बलबीर सिंह सीचेवाल द्वारा 7100/- रुपये का नकद पुरस्कार, पुस्तकें व पगड़ी भेंट की गई ।

4. हरियाणा में पंजाबी भाषा, साहित्य व संस्कृति के विकास में दिए गए योगदान के लिए वर्ष 2010-2011 के लिए हरियाणा सरकार द्वारा संत तारन सिंह वहिमी पुरस्कार प्रदान किया गया जिसमे 51000/- रुपये नकद, शॉल, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह मुख्यमंत्री द्वारा भेंट किये गये।
5. हरियाणा राज्य के भूतपूर्व राज्यपाल डा. ए. आर. किदवई द्वारा साहित्य में दिये गये योगदान के लिए 26 जनवरी 2005 को अम्बाला में राज्यस्तरीय समारोह में सम्मानित किया गया।
6. भाषा विभाग पंजाब, पटियाला द्वारा पंजाबी पुस्तक'परवासी पंजाबी काव्यः विचारधारक परिपेख को वर्ष 2012 के लिए 5000 रुपये का सर्वश्रेष्ठ पुस्तक पुरस्कार प्रदान किया गया'
7. पंजाबी व हिन्दी के रोजाना समाचार पत्रों व पत्रिकाओं में निरंतर आलेख व कविताएँ प्रकाशित होते रहते हैं।
8. दूरदर्शन जालंधर, दूरदर्शन शिमला, दूरदर्शन हिसार से अनेकों कार्यक्रम टैलीकास्ट हुए हैं। आकशवाणी जलंधर, पटियाला, रोहतक, शिमला, कुरुक्षेत्र द्वारा रचनाओं का निरंतर प्रसारण।
9. इस के अलावा पचास साहित्यक व सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया।

- अनेकों राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय गोष्ठीयों में विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किये।
- एक सौ से अधिक साहित्यक समारोह, काव्य गोष्ठीयों व पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन किया।
- दो अंतर-राष्ट्रीय साहित्यक व सामाजिक सम्मेलनों के सफलतापूर्वक आयोजन में मुख्य भूमिका निभाई।
- कॉलेज में पिछले इकतीस वर्ष से विभिन्न समितियों के अध्यक्ष के रुप में कार्य करने का तर्जुबा।